चिन्तक

संस्थापक- स्व.श्री रामचंद्र गुप्ता

www.dainikchintak.com
facebook.com/dainikchintak.com

छत्तीसगढ का सर्वाधिक प्रसारित दैनिक

E-mail
dainikchintak @ yahoo.com
dainikchintak @ gmail.com

समाचार पत्र में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए संपर्क करें
मो. 98271-16751, 91310-34818

स्थापना वर्ष : 1965 | वर्ष 56- अंक -56 R.N.I. No 63636/1995 | दुर्ग शनिवार 8 जनवरी 2022 | पं.क्रं. छ.ग. दुर्ग /07/18-20 | पृष्ठ-8 मूल्य-2.00 रुपये

खतरनाक होता जा रही कोरोना की तीसरी लहर

एक दिन में 1.40 लाख कोरोना के नए मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में तीसरी लहरी की स्थिति खतरनाक स्वरूप में तब्दील होती दिखाई दे रही है। एक दिन में 1 लाख 40 हजार नए मामले सामने आए हैं। महाराष्ट्र के मुंबई की हालत बेहद खराब बताई जा रही है। वहीं दिल्ली में भी लगातार बढ़ रही संक्रमण की स्थिति को देखते हुए 55 घंटे का कर्फ्यु लगा दिया गया है।

देश में कोरोना वायरस के केसों में बेहद तेजी के साथ इजाफा हो रहा है। शनिवार को बीते 24 घंटे में 1 लाख 40 हजार से ज्यादा नए केसों का आंकड़ा सामने आया है। 7 महीनों के बाद लगातार दूसरे दिन नए केस 1 लाख से ज्यादा मिले हैं। शुक्रवार देर रात 1,41,525 नए केस मिले थे, जबकि दो छोटे राज्यों का डेटा आना बाकी था। इससे पहले शुक्रवार को 1 लाख 17 हजार नए केस दर्ज किए गए थे। 28 दिसंबर के बाद से केसों में इजाफा जारी है। इन 11 दिनों में हर दिन 20 फीसदी ज्यादा नए केस देखने को मिले हैं। यही नहीं इनमें से 4 दिन ऐसे थे, जब कोरोना के नए केसों की ग्रोथ 40 पर्सेंट से ज्यादा की रही। इसके अलावा दो दिन ऐसे भी रहे हैं, जब नए केसों का आंकड़ा बीते कल के मुकाबले 55 फीसदी तक ज्यादा रहे।

हालांकि राहत की बात यह है कि नए केसों में इजाफे की तुलना में मौतों का आंकड़ा काफी कम है। शुक्रवार को देश भर में 129 लोगों की मौत हुई है, जबकि पिछले कुछ डेटा को जोड़कर आंकड़ा 283 देखा गया है। सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 40,925 नए केस मिले हैं। यह आंकड़ा बीते 238 दिनों में सबसे ज्यादा है। साफ है कि कोरोना की दूसरी लहर के पीक के लेवल तक नए केसों का आंकड़ा अब पहुंचने लगा है। मुंबई में 20,971 नए केस एक ही दिन में मिले हैं, जो कोरोना की शुरुआत से अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

चिंता की बात यह है कि तीसरी लहर में पश्चिम बंगाल जैसे राज्य में भी बड़ी संख्या में कोरोना केस मिल रहे हैं, जहां दूसरी लहर में कम मामले थे। बीते कई दिनों से नए केसों के मामले में पश्चिम बंगाल दूसरे नंबर पर बना हुआ है। शुक्रवार को बंगाल में 18,213 नए केस मिले हैं। इसके अलावा दिल्ली में 17,335 नए मामले पाए गए हैं।

तीसरे डोज के लिए रजिस्ट्रेशन आज से

10 जनवरी से लगने वाले तीसरे या प्रिकॉशन डोज के लिए एलिजिबल लोग शनिवार शाम से ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं। इसके अलावा वैक्सीनेशन सेंटर पर जाकर ऑफ लाइन रजिस्ट्रेशन भी किया जा सकता है। देश में प्रिकॉशन डोज तीन प्रॉयोरिटी ग्रुप- हेल्थ वर्कर्स, फ्रंटलाइन वर्कर्स और कोमॉर्बिडिटी (कई बीमारियों से ग्रसित) वाले 60 साल से ज्यादा की उम्र के लोगों को दी जानी है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे लेकर 25 दिसंबर को ऐलान किया था। सरकार की तरफ से जारी गाइनलाइन के मुताबिक, प्रिकॉशन डोज कोरोना वैक्सीन का दूसरा डोज लगवाने की तारीख से नौ महीने (39 हफ्ते) बाद ही लिया जा सकता है।

वैक्सीनेशन के बाद पैरासिटामॉल नहीं देने की चेतावनी

देशभर में 15-18 साल के बच्चों का वैक्सीनेशन शुरू हो चुका है, जिन्हें कोवैक्सिन की खुराकें दी जा रही हैं। वैक्सीनेशन सें-टर पर बच्चों को पैरासिटामॉल लेने की सलाह दी जा रही है, लेकिन वैक्सीन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक ने साफ किया है कि, वैक्सीन लगने के बाद बच्चों को पैरासिटामॉल या पेन किलर लेने की जरूरत नहीं है। कंपनी ने ये जानकारी ट्वीट के जरिए दी है।

पुलिस अकादमी परिसर में कोरोना विस्फोट

रायपुर (चिन्तक)। चंदखुरी स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी परिसर में कोरोना विस्फोट हुआ है। वहां के 6 से अधिक रहवासी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इनकी उम्र 30 से 34 साल के बीच है।शुक्रवार को ही अकादमी में 10वें और 11वें बैच का पासिंग आउट परेड हुई थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू और नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव डहरिया सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी इस आयोजन में शामिल थे। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक शुक्रवार को प्रदेश में 44 हजार 773 नमूनों की जांच हुई। इस दौरान 2 हजार 828 नए मामलों की पुष्टि हुई है। इस मान से प्रदेश की संक्रमण दर खतरे के निशान को पार कर 6.32% तक पहुंच गई है। सबसे अधिक 899 केस अकेले रायपुर के हैं। इनमें 72 की उम्र 1 साल से 18साल के बीच है। रायपुर में चंदखुरी पुलिस अकादमी के अलावा सीआईएसएफ के माना स्थित परिसर, पुलिस मुख्यालय, रायपुर एम्स और जवाहरलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज हॉस्टल में भी कई संक्रमितों का पता लगा है। सभी को आ-इसोलेट कर दिया गया है। एक महिला प्रशासनिक अधिकारी के भी संक्रमण की चपेट में आने की खबर है। इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। रायपुर शहर के हर हिस्से में कोरोना के मरीज मिले हैं। हालात ऐसे हैं कि प्रशासन ने 45 इमारतों को कंटेनमेंट जोन बना दिया है।

डंके की चोट पर प्रशासन की नाक के नीचे अवैध प्लाटिंग

मनोज राजूपत लेआउट प्रा.लि. पर शासन व प्रशासन मेहरबान
बगैर ले आउट एप्रुव के बिक रहा है प्लाट

चिन्तक दुर्ग
www.dainikchintak.com

चिन्तक एक्सक्लुसिव चिन्तक

टोलप्लाजा के पास बाईपास रोड में मनोज राजपूत लेआउट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डंके की चोट पर प्रशासन के नाक के नीचे 125 से 130 एकड़ क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग की जा रही है। अवैध प्लाटिंग का यह कारोबार इतना व्यापक है कि इससे राज्य शासन को राजस्व के रूप में करोड़ों का नुकसान हो रहा है और अवैध प्लाटिंग का कर्ताधर्ता शासन व प्रशासन के नियम कानून की सरे आम धज्जियां उड़ा रहा है। आश्चर्य व हैरत की बात है कि इस मामले में कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं हो रही है।

उक्ताशय के संदर्भ में मिली शिकायत में कहा गया है कि टोलप्लाजा के पास बाइपास रोड में लगभग 125 से 130 एकड़ क्षेत्र में महानगर की तर्ज पर एक आवासीय कॉलोनी विकसित की जा रही है। लेकिन यह कॉलोनी प्रशासन के रिकार्ड में अधिकृत नहीं है। मनोज राजपूत लेआउट प्राइवेट लिमिटेड ने 125 से 130 एकड़ के पूरे क्षेत्र को बाउंड्रीवाल से घेर कर भीतर आलीशान सड़कों का जाल बिछा दिया है। विद्युत पोल लगाकर लाइटें लगा दी है और प्लाट को कटिंग करके इस तरह रखा है जैसे तश्तरी में सजाकर रखा गया स्वादिष्ट व जायकेदार व्यंजन हो। आम लोग इस लुभावने माहौल का शिकार बनकर प्लाट तो खरीद रहे है लेकिन इसके बाद भविष्य में होने वाली परेशानियों व तकलीफों से वाकिफ नहीं है।

नगर तथा ग्राम निवेश विभाग से नहीं ली गई है अनुमति

शिकायत में उल्लेख है कि मनोज लेआउट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 125 से 130 एकड़ के क्षेत्र में प्लाटिंग के लिए नगर तथा ग्राम निवेश विभाग (टाउन प्लानिंग) से कोई अनुमति नहीं ली गई है। न ही इसका कोई डायवर्सन हुआ है। परिणाम स्वरूप सीधे तौर पर जनता से धोखाधड़ी की जा रही है।

नगर निगम से अनुमति लिए बगैर बन रहे है मकान

शिकायत में कहा गया है कि मनोज लेआउट प्राइवेट लिमिटेड के परिसर के भीतर लगभग एक दर्जन मकानों का निर्माण भी कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त कंपनी के संचालक मनोज राजपूत ने अपने घर व ऑफिस का भी निर्माण कर लिया है लेकिन इन सब निर्माण कार्यों की नगर निगम से कोई अनुमति नहीं ली गई है। नगर निगम द्वारा भी इस मामले में किसी भी तरह की कार्यवाही नहीं करना समझ से परे है।

नहीं लिया कॉलोनाइजर लाइसेंस, रेरा में भी नहीं कराया रजिस्ट्रेशन

शिकायत में आगे बताया गया है कि मनोज लेआउट प्राइवेट लिमिटेड ने कॉलोनी का निर्माण तो बराबर शुरू कर दिया है लेकिन नगर निगम से विधिवत तरीके से कॉलोनाइजर लाइसेंस प्राप्त नहीं किया है। यही नहीं अभी तक रेरा में रजिस्ट्रेशन तक नहीं कराया है। शासन व प्रशासन को धता बताकर नियम व कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ाकर अवैध प्लाटिंग के साथ कॉलोनी निर्माण का मामला बेहद रोचक है। इस मामले में कई ऐसे तथ्यों के भी सामने आने की संभावना है जो एक सुनियोजित धोखाधड़ी कर शासन को क्षति पहुंचाने का काम कर रहे है।

मोदी को अपनी ही सुरक्षा एजेंसी पर विश्वास नहीं-भूपेश

रायपुर(चिन्तक)। प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा को लेकर पंजाब सरकार पर लग रहे आरोपों पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पलट-वार किया है। उन्होंने कहा कि पंजाब में आयोजित सभा में ज्यादा लोग नहीं थे, तो प्रधानमंत्री वहां कैसे जाते? यह आरएसएस और बीजेपी के षड्यंत्र का हिस्सा है, राजनीतिक लाभ लेने के लिए प्रधानमंत्री किस हद तक नीचे गिर सकते हैं, ये जनता को पता है। पत्रकारों से चर्चा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पीएम मोदी के दीर्घायु के लिए पूजा-पाठ और महामृत्युंजय के जाप को लेकर कहा कि भाजपा ढकोसला करने का कोशिश कर रही है। इससे पहले भी पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को काला झंडा दिखाया गया. राजीव गांधी की सभा में फायरिंग भी हुई थी, तब भी कांग्रेस ने इन बातों को तूल नहीं दिया।

दिग्विजय का पीएम के बयान पर तंज

700 किसानों को जिंदा घर नहीं लौटने दिया-दिग्विजय

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक के बाद उनके बयान में जिंदा लौट पाया पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्वियज सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री पंजाब से जिंदा लौटे गए, लेकिन 700 से अधिक किसानों को जिंदा घर नहीं लौटने दिया। उन्होंने आगे कहा कि जर्मन के तानाशाह एडोल्फ

हिटलर और नरेंद्र मोदी में कोई अंतर नहीं है। दिग्विजय सिंह का यह बयान तब सामने आया है जब कांग्रेस पार्टी की ओर से ट्वीट किया गया था कि भाजपा सरकार के तीन काले कानूनों का विरोध कर रहे 700 से ज्यादा जिंदा किसान घर नहीं लौट पाए। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने एक और ट्वीट में कहा कि पहले हिंदू खतरे में था, लेकिन अब पीएम खुद ही खतरे में हैं। प्रधानमंत्री खतरे में नहीं केवल प्रधानमंत्री की कुर्सी खतरे में है।

yono SBI

ठगी

डाउनलोड करते ही उड़ गए 10 लाख

- **बिना ओपीटी बताए ही खाते से 10 लाख गायब**
- **बैककर्मी ने किया था इंस्टाल, जुर्म दर्ज**

दुर्ग (चिन्तक)। दुर्ग में एक रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। रिटायर्ड कमर्चारी का आरोप है कि बिना ओटीपी बताए उसके खाते से साढ़े 10 लाख रुपए से अधिक की रमक ऑनलाइन निकल ली गई। भिलाई तीन पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 420 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी विनय सिंह ने बताया कि पंचशील नगर बीएमवाय चरौदा निवासी वीएस शर्मा (62 वर्ष) रेलवे से रिटायर्ड कमर्चारी हैं। भिलाई तीन की एसबीआई पदुमनगर ब्रांच में उनका खाता है। उस खाते में रिटायरमेंट का लाखों रुपए जमा था। 15 दिसंबर की सुबह करीब 11.30 बजे वीएस शर्मा ने अपने खाते से 6 हजार रुपए निकाला था।

एक सप्ताह बाद वह फिर से एसबीआई बैंक पहुंचे और अपने मोबाइल में डठड ऐप (एसबीआई का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करने वाला ऐप) बैंक के हेल्प डेस्क से डाउनलोड करवाने लगे। बैंक कमर्चारी ने जब उसके मोबाइल ऐप डाउनलोड कर दिया तो उसके बाद वह एसबीआई मशीन से अपनी पासबुक एंट्री करने पहुंच गया। एंट्री हो जाने के बाद उसने देखा कि उसके खाते पर जीरों बैलेंस था। ये देखकर वह हैरान रह गया। इसके बाद वीएस शर्मा हड़बड़ा गया और सीधे बैंक मैनेजर को पास पहुंचा और इसकी शिकायत की। बैंक मैनेजर ने अपने कंप्यूटर देखा कि उसके खाते से 10 लाख 53 हजार 699 रुपए निकाल लिया गया है। शर्मा का कहना है कि उसी बैंक में उनकी तीन एफडी हैं। वह उसी तरह हैं। उसके खाते से ऑनलाइन ट्र-ांजेक्शन हुआ तो बिना ओटीपी रकम कैसे निकल गई। इसी शि-कायत को लेकर पुलिस ने मामले में धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। इब इस मामले की जांच साइबर सेल करेगी।

विरोध | **लुंड्रा विकासखंड के कुंदीकला गांव का मामला, वीडियो हुआ वायरल**

समाज विशेष का लोगों ने किया बहिष्कार

अंबिकापुर(एजेंसी)। सरगुजा जिले के लुंड्रा विकासखंड के ग्राम कुंदीकला में समुदाय विशेष के सामाजिक बहिष्कार का संकल्प लेते वीडियो वायरल होने के बाद सरगुजा पुलिस ने सात और आरोपियों की गिरफ्तारी की। मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जो एक ही समुदाय से जुड़े हुए हैं।

पूरा मामला नए साल के पहले दिन कुंदीकला में पिकनिक मनाने के दौरान दो पक्षों के बीच मारपीट से जुड़ा हुआ है। एक जनवरी को कुंदीकला और आरा गांव के युवक पिकनिक मनाने गए हुए थे। यहां दोनों गांव के युवाओं के बीच झड़प हुई थी। आरोप है कि रात को आरा गांव के जनपद सदस्य इलियास के नेतृत्व में मोटरसाइकिल और बोलेरो से पहुंचे एक ही समुदाय के लोगों ने कुंदीकला गांव में उत्पात मचाया था। यहां रहने वाले पंचायत सचिव विरेंद्र यादव के घर घुसकर मारपीट की थी। घटना की लिखित शि-ाकायत लुंड्रा थाने में दर्ज कराए जाने पर पुलिस ने अगले दिन ही जनपद सदस्य इलियास के साथ छह लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। सभी को जमानत मिल गई थी।

बीते बुधवार को कुंदीकला गांव के लोगों ने लुंड्रा थाने का घेराव कर आरोप लगाया था कि आरोपियों के विरुद्ध साधारण धाराएं लगाई गई, जबकि परि-वार के एक महिला सदस्य के साथ अपमानजनक व्यवहार भी हुआ था। इसी कारण सभी को जमानत मिली। इधर घटना के बाद कुंदीकला गांव में माहौल तनावपूर्ण हो गया था। अचानक एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें गांव के लोगों को यह संकल्प लेते दिखाया गया था कि वे समुदाय विशेष का बहिष्कार करते हैं।

उनके किसी प्रकार का व्यवसायिक लेनदेन, जमीन खरीद-बिक्री और उनके घरों में मेहनत मजदूरी भी नहीं करेंगे। गुरूवार को वीडियो वायरल होते ही अंबिकापुर से एएसपी विवेक शुक्ला, एसडीएम प्रदीप साहू के साथ अधिकारी कुंदीकला गांव पहुंचे। ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जो भी घटना में संलिप्त हैं उनके खिलाफ का-रर्वाई होगी। समुदा?य विशेष के बहिष्कार का वीडियो वायरल होने के बाद शुक्रवार को पुलिस ने सात अन्य आरोपित जो नामजद नहीं थे, उन्हें भी पकड़ा है।

प्रार्थी पक्ष से कार्यपालिक दंडाधिकारी की मौजूदगी में उनकी पहचान कराई। पहचान करने पर सलीम अंसारी 32 वर्ष, मो. गयासुद्दीन 60 वर्ष, मो. शमीम अंसारी 38 वर्ष, मैनुल्ला अंसारी 30 वर्ष, मो. साकिर अंसारी 29 वर्ष, मैनुल हक 40 वर्ष, मुस्तकिम 36 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल व बोलेरो की भी जब्ती की गई है।